# शिष्यता के अनिवार्य तत्व

# अनिवार्य शिक्षाएँ

## यीशु कौन है?

### अध्याय 1 : यीशु मसीह कौन है?

आप किसी व्यक्ति से पहली बार मिलने पर उसके बारे में किस प्रकार की जानकारी प्राप्त करना चाहते हैं? आप अपने मित्र का परिचय किसी नये व्यक्ति से कराते समय आप उनके बारे में कौन सी जानकारियाँ दोनों पक्षों को देना चाहते हैं? "यीशु मसीह कौन है?" विषय के अर्न्तगत् हम इन्हीं प्रकार के कुछ प्रश्नों पर ध्यान देंगे। उस व्यक्ति को वास्तव में पहचानने के लिए आपको किन बातों को गहराई से जानने की ज़रूरत पड़ेगी। आप अपने मित्र का परिचय दूसरों से किस प्रकार कराएँगे?

प्रसिद्ध लेखक और धर्मविज्ञान के ज्ञाता सी.एस. लूईस, ज़्यादातर इस वाक्य को कहा करते थे कि जब हम वचन तथा यीशु द्वारा हमारे लिए किये गये, व कहे गये कार्यों के बारे में पढ़ते हैं, तो हमें यह तय करना चाहिये कि यीशु मसीह झूठा है, मन्दबुद्धि है या वह प्रभु है। आपके विचार से वह क्या है?

बाइबल पढ़ने से हम बेतहर जान सकते है कि यीशु अपने बारे में क्या कहते थे। यीशु द्वारा इस धरती पर किये गये कार्यों के बारे में अध्ययन करने के कारण, हमें विस्तृत जानकारी हासिल होती है कि वह कौन था और क्या करने आया था।

"उसने उनसे कहा, "परन्तु तुम मुझे क्या कहते हो?" शमौन पतरस ने उत्तर दिया, "तू जीवते परमेश्वर का पुत्र मसीह है।" (मत्ती 16:13–16)

हम सामान्यतः लोगों को कहते सुनते हैं कि वे विश्वास करते हैं कि यीशु एक सिद्ध मनुष्य और एक महान् शिक्षक था। शायद वह उसे एक भविष्यद्वक्ता भी कहें। लेकिन यीशु ने अपना परिचय इस तरह से नहीं दिया। "यीशु कौन है?" प्रश्न का उत्तर देने के लिए आपके लिए इस विषय को समझना बहुत ज़रूरी है। हालांकि उद्धार पाने के लिए केवल यीशु पर विश्वास करना काफी नहीं है, लेकिन व्यक्तिगत् विश्वास यात्रा प्रारम्भ करने तथा दूसरों को यीशु के बारे में बताने के लिए यह एक अच्छा मंच हो सकता है।

बाइबल पढ़ने से हम बेतहर जान सकते है कि यीशु अपने बारे में क्या कहते थे। यीशु द्वारा इस धरती पर किये गये कार्यों के बारे में अध्ययन करने के कारण, हमें विस्तृत जानकारी हासिल होती है कि वह कौन था और क्या करने आया था।

मसीही बच्चे होने के नाते जो कुछ हमने सीखा, या जिन बातों पर हमारे परिवार या समाज ने विश्वास किया, उन धारणाओं की वजह से, हम बाइबल की कई जटिल शिक्षाओं को ग्रहण करने में हिचकिचाते हैं। लेकिन यदि हम यह विश्वास करते हैं कि बाइबल परमेश्वर का वचन है, तो हमें बाइबल के वचनों के साथ सहमत होना चाहिए और जैसा उस में लिखा है, उसके हिसाब से अपना जीवन व्यतीत करना चाहिए। यदि हम बाइबल पढ़ते हुए भी अपने आप को सही साबित करने का प्रयास करते हैं, तो हम स्वयं दुविधाजनक परिस्थिति में पाएँगे।

परमेश्वर से बुद्धि और समझ प्राप्त करने के लिए प्रार्थना करना बहुत ज़रूरी है, क्योंकि हमारे लिए यीशु को समझना बहुत महत्वपूर्ण है। जब हम बाइबल को सत्य मानकर इसे पढ़ते, अध्ययन करते और स्वेच्छा से यह जानने या परखने के लिए इसे सुनते हैं कि कहीं मेरे मूल या अपने विचारधाराएँ गलत तो नहीं है, इस दशा में परमेश्वर स्वयं को हम पर प्रगट कर सकता है।

सम्पूर्ण सुसमाचार का अध्ययन करने से आपको यीशु का चरित्र व उसके कार्यों का पता चलता है। उसने अनेकों चमत्कार किये। उसने बहुत सी बुद्धि की बातें बोलीं। उसने तरस और कृपा के साथ लोगों को प्रेम किया व सेवा की। पर उसने यह भी कहा कि वह परमेश्वर पिता का पुत्र तथा मसीह था। क्या वह झूठा था? क्या वह दुविधा में था? क्या वह जानबूझकर लोगों को गुमराह कर रहा था?

एक दिन, यीशु ने अपने चेलों से पूछा, "कि लोग मनुष्य के पुत्र के बारे में क्या कहते हैं?" और उन्होंने कहा, "कुछ यूहन्ना बपतिस्मा देने वाला, कुछ एल्लियाह, कुछ यिर्मयाह और कुछ भविष्यद्वक्ताओं में से कोई एक कहते हैं।" उसने उनसे कहा, "परन्तु तुम मुझे क्या कहते हो?" शमौन पतरस ने उत्तर दिया, "तू जीवते परमेश्वर का पुत्र मसीह है" (मत्ती 16:13–16)। यीशु लगातार पतरस से बातें करते हुए कहना चाहते हैं कि वह पतरस के जवाब से अति प्रसन्न थे। यीशु का

अनुसरण, सेवा, आज्ञापालन, और उसके साथ काम करना ही काफी नहीं था। शिष्यों को असल में जानने की ज़रूरत थी कि यीशु कौन था। यीशु को जानना वह सबसे महत्वपूर्ण ज्ञान था, जो परतस प्राप्त कर सकता या जान सकता था।

यदि आप यीशु को सच में जानने में संघर्ष कर रहे हैं, तो चिन्ता न करें : आप अकेले नहीं है। बहुत से लोग अपने आप को उस स्थान पर पाते हैं, जहाँ वे स्वयं को अपनी पुरानी धारणाओं व बाइबल आधारित सत्यों के बीच संघर्षपूर्ण स्थिति में पाते है, जहाँ उन्हें दोनों में से एक का चुनाव करना पड़ता है। यदि आप किसी व्यक्ति की पहली बार यीशु को जानने में सहायता कर रहे हैं, तो उनके प्रश्न पूछे जाने पर धीरज के साथ काम लें।

जिस तरह से बाइबल में उल्लेख किया गया है, यीशु नासरी के जीवन व्यतीत करने व उसकी मृत्यु के प्रमाण मौजूद हैं, और इस नज़रिये से देखें तो हम यीशु के बारे में अच्छे से जानते हैं। लेकिन केवल यह विश्वास करने से कि वह वास्तव में विद्यमान था, उसके बारे में और अधिक जानकारी हासिल करें और एक कदम आगे बढ़ने के लिए हमें विश्वास और बुद्धि की ज़रूरत पड़ती है। परमेश्वर आपको दोनों चीज़ें देना चाहते हैं। अपेक्षा व नम्रता के साथ बाइबल में खोजने का प्रयास करें कि सच में यीशु कौन था? ऐसा करने से सारी दुनिया में फरक हो जाता है।

यदि आप यीशु को सच में जानने में संघर्ष कर रहे हैं, तो चिन्ता न करें : आप अकेले नहीं है। बहुत से लोग अपने आप को उस स्थान पर पाते हैं, जहाँ वे स्वयं को अपनी पुरानी धारणाओं व बाइबल आधारित सत्यों के बीच संघर्षपूर्ण स्थिति में पाते है, जहाँ उन्हें दोनों में से एक का चुनाव करना पड़ता है। यदि आप किसी व्यक्ति की पहली बार यीशु को जानने में सहायता कर रहे हैं, तो उनके प्रश्न पूछे जाने पर धीरज के साथ काम लें।

## सुर्खियाँ

- यीशु से सम्बन्धित जानकारियों से प्राप्त निचोड़ के आधार पर कोई भी व्यक्ति उदासीन नहीं हो सकता। या तो वह परमेश्वर है (जैसा वह दावा करता है) या वह एक झूठा या एक मन्दबुद्धि व्यक्ति है। आप किस विचार से सहमत हैं?
- ऐतिहासिक प्रमाण साबित करते हैं कि जैसा बाइबल में उल्लेख किया गया है यीशु ने इस धरती पर जीवन व्यतीत किया। यह प्रत्येक की ज़िम्मेदारी है कि वह सच में यीशु को जानने की मनसा से बुद्धि और परख के साथ बाइबल का अध्ययन करे।
- बाइबल को यह सोचकर पढ़ना कि बाइबल आपके व्यक्तिगत् विचारों को सही साबित करने में मदद करेगी, खतरनाक और लाभहीन है। कठिन से कठिन विषयों में भी हमें यह सोचकर बाइबल पढ़नी चाहिए कि वह सही व सत्य है, और उससे प्राप्त सुधारों और चुनौतियों को हमें अपने व्यक्तिगत् विचारों में स्वीकार करने चाहिए।

# अब आप बताएँ

- आप यीशु को क्या मानते हैं?

- आपकी पारिवारिक पृष्ठभूमि व परवरिश के आधार पर यीशु की पहचान के किस पहलु को स्वीकार करना आपके लिए अति कठिन है।

- यीशु की सच्चाई की तलाश करने तथा सम्भवतः पहली बार यीशु को जानने के लिए, सुसमाचार पढ़ने में कुछ समय बिताएँ।

बाइबल के हवालों को पवित्र बाइबल, बाइबल सोसाइटी ऑफ इण्डिया (बी.एस.आई.) से लिया गया है। इन हवालों को प्रकाशित करने की अनुमति ली गयी है। इसके सारे अधिकार आरक्षित हैं।

अन्य सभी सामग्री © 2019 ट्रांस वर्ल्ड रेडियो कनाडा है, और इसका उपयोग किसी भी तरह से किया जा सकता है, जब तक आप इसका उपयोग मसीह के लिए दुनिया तक पहुंचने के उद्देश्य से करते हैं और सामग्री के उपयोग के लिए शुल्क नहीं लेते हैं। अधिक लाइसेंस विवरण देखें: www.discipleshipessentials.org/licensing